भजन

मेरी रूह की इबादत तूं सजना, इस रूह की है चाहत तूं सजना
हो..तेरे दिल की मैं रूह -2,चढ़ा इश्क सरूर
सब समझी मैं तेरी गुझ रमजां रमजां
समझाईयां तूं ही अपने दिल की बतियां
पिया तेरे दिल दी नई रीसां, समझन दिल तेरा रूहां तेरियां
1- राज ए दिल पिया तेरे सुन,सुध मेरी खो गई
इश्क जोश इलम हुकम रूह,बीच खड़ी हो गई
भूल के मैं सारा कुछ,तेरे में समा गई-2
स्वाद निसवत का उसे मिल जाता है,
जिसे पिया इस्क का प्रेम मिल जाता है
2- सुनो सैयों बात बताऊं,पिया जी के दिल की
खेल होवे दिल के अन्दर,जहां मेहरें मिलती
मेहरां लई ए खेल रचाया,ये खूबी पिया दिल की
मेहरों के ताबे ये,हुकम और जोश हैं
इश्क आवे मेहरों से,इलम संग होत है
चौ- हुकम मेहर के हाथ में,जोश मेहर के संग।
इश्क आवे मेहर से,बेशक इलम तिन संग।।
3- पिया तेरे दिल का मैं,करूं कैसे बरनन
इश्क की है ये गहराई,मैं तो हूं लहर भर
कितने भी लाड लड़ाओ,कभी भी न यह हों कम
दिल दिल में है दिल,दिल की यह बातें हैं
दिल के यह चारों अंग,रूहों की सौगाते हैं